R. 22

ज़ायद बही नं० 4 79

जिलद—बाबत सहकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुद्ह
631	R.No. 132 बिलासपुर R.F = 56.00 C.F = 3.00 Total – 53.00

Sub Registrar
Distt. Bilaspur (H.P.)

Government Judicial Paper

जुज़ 1

उमर 65 साल वल्द बिहारी ज़ात राजपूत
हरा परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला
हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़
स है और कुछ अर्सा से मामूली
ोता रहता चला आता है इसलिये हर
रान की खिदमत व परवरिश का मोहताज
, 1 पिसर महन्तराम, 3 दुख़्तरान मु० देवकी,
मु० रामप्यारी व ज़ौजा मु० कासू मौजूद हैं,
ा बच्चगान खुद की शादीयां कर चुका है
तकरीयान मुज़हर जिन को के मुज़हर बवक्त
ा माकूल दहेज दे चुका है खुशअसलूबी
अपने सुसराल में आबाद हैं, मु० कासू
ी ज़ईफ़ व लागर हो अकसर बिमार
चली आने से दीगरान की खिदमत व
मोहताज हो चुकी है मुज़हर व मु०
मुज़हर की ऐसी हालत में महन्तराम
र ही हर तरह से मुज़हर व मु० कासू
र की देख भाल व खिदमत व परवरिश
ाज मुआलजा करवाता चला आता है,
कासू ज़ौजा मुज़हर खिदमात महन्तराम
बहुत खुश हैं, मुज़हर व मु० कासू ज़ौजा

ा जुज़ 2

महन्तराम मज़कूर से ऐसी ही खिदमात करते
का है, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा
लिये मुज़हर चाहता है के महन्तराम मज़कूर

710852 A (नकल) Himachal Government Judicial Paper

वसीयत नामा जुज़ 1

मनके छांगू उमर 65 साल वल्द बिहारी ज़ात राजपूत सकना गुतराहरा परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लागर शख्स है और कुच्छ अर्सा से मामूली बिमार भी होता रहता चला आता है इसलिये हर हाल में दीगरान की खिदमत व परवरिश का मोहताज है, मुज़हर के 1 पिसर महन्तराम, 3 दुख्तरान मु० देवकी, मु० जमना, मु० रामप्यारी व ज़ौजा मु० कालू मौजूद हैं, मुज़हर जुमला बच्चगान खुद की शादीयां कर चुका है दुख्तरान मज़्कूरीयान मुज़हर जिन को के मुज़हर बवक्त करने शादीयां माकूल दहेज दे चुका है खुशअसलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं, मु० कालू ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लागर हो अकसर बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की खिदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है मुज़हर व मु० कालू ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में महन्तराम पिसर मुज़हर ही हर तरह से मुज़हर व मु० कालू ज़ौजा मुज़हर की देख भाल व खिदमत व परवरिश करता व ईलाज मुआलजा करवाता चला आता है, मुज़हर व मु० कालू ज़ौजा मुज़हर खिदमात महन्तराम मज़्कूर से बहुत खुश हैं, मुज़हर व मु० कालू ज़ौजा मुज़हर को

वसीयत नामा जुज़ 2

आइन्दा भी महन्तराम मज़्कूर से ऐसी ही खिदमात करते रहने की तवक्का है, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इसलिये मुज़हर चाहता है के महन्तराम मज़्कूर को कुच्छ सिल्ला खिदमात खुद व मु० कालू ज़ौजा खुद दे, मु० कालू ज़ौजा मुज़हर भी यही चाहती है मुज़हर कुच्छ जायदाद मनकूला व गैर मनकूला जद्दी व पैदाकरदा खुद वाक्या गुतराहरा परगना बहादरपुर व गरनाल परगना सदर का मालक व काबज़ है सो मुज़हर जायदाद खुद महन्तराम मज़्कूर को ही देने का ख्वाहां है गो मुज़हर की जायदाद मज़्कूरा

(margin:) छांगू, मौज़ा, मनकू / बकलम

2-7-90

2L-21

महसूल नकलनवीसी .... रुपये
फिस ...5... वरक है।
कुल ...637... है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
2/7/90

वसीका वसीयतनामा ...... लाया हुआ हंसराजू S/o बिहारी
साकन गुतराह परगना बहादुरपुर तहसील सदर
जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 2-7-90
बमुताबिक 11 आषाढ़ का 1912 बरोज सोमवार
समय 2 बजे बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

2.T.1

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
2/7/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
2/7/90

№ 710853 A 1 9 8 **Himachal Government Judicial Paper**

मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद
वफ़ात मुज़हर जायेदाद मुज़हर की निस्बत कोई
शख्स तनाज़ा किसी किस्म करे इस लिये अब
मुज़हर बकायमी होश व हवास खमसा खुद बिला
जबर व इकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला
जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद
की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता व लिख देता
है के जब तक मुज़हर हयात है जुमला जायेदाद
हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात
मुज़हर जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर
किस्म मुज़हर वाक्या गुतराहरा परगना बहादरपुर
व गारनाल परगना सदर, तैहसील व ज़िला बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी

[illegible] मुज़हर

वसीयत नामा ~~[illegible]~~ 3

वाक्या हो का महन्तराम वल्द ढांगू वल्द बिहारी सकनाए
गुतराहरा परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश यानी पिसर मुज़हर मौसी बाहद
मालक व काबज़ तसव्वर हो गा, किसी भी दीगर
शख्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म
किसी जायेदाद मुज़हर मौसी से ना हो गा, और
हर दीगर वारस मुज़हर मौसी जायेदाद हर किस्म
मुज़हर मौसी से मेहरूम तसव्वर हो गा, महन्तराम
मौसी इल्हा मज़कूर ही बाहद कामल मालक व काबज़
जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म
मुज़हर मौसी का हो गा, मुज़हर मौसी ने पेशतर
कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा तैहरीर ना कराई है
इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पेशतर की हर
दस्तावेज़ वसीयत नामा मिन्जानिब मुज़हर मौसी
जाली व फ़र्ज़ी होने से रद तसव्वर हो गी और
वसीयत नामा हज़ा पर पूरा पूरा अमल हो गा,
किसी भी दीगर शख्स को मुज़हर मौसी के
वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख
करवाने का कोई हक हासल ना हो गा, लेहज़ा

2-7-90

वसीका बृजलाल

नामा हवा की इकरार

हवाला व हरूफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसके इस वसीका का तमाम तहरीर व तकमील को सुन व समझकर सही तसलीम किया। इसकी शनाख्त श्री बृजलाल S/o बुद्धू R/o नरहाई नदेसरा ने की है। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। लिहाजा वसीका हजा तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता

L.T.I.

इकरार

कार्यान्वय कर्ता

बृजलाल पुत्र श्री प्रेमलाल

गाँव नरहाई, तहसील

सदर जिला मिर्जापुर, U.P.

Sub Registrar Sadar

Distt. Mirzapur (U.P.)

2/7/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar

Distt. Mirzapur (U.P.)

2/7/90

ए 710854 A 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के सनद रहे। तहरीर 2/7/90

गवाहशुद	अलबद	गवाहशुद
लेखराम वल्द वज़ीरू वल्द रामचन्द सकना पोहरगी परगना बहादरपुर तैहलील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश	ढांगू, मौसी मज़कूर	बृजलाल वल्द प्रेमलाल वल्द भोला सकना नमोहल परगना बहादरपुर तैहलील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
लेखराम		बृजलाल

वसीयत नामा जुज़ 4

हस्ब मुराद सायल लिखा गया सुन समझ कर दस्तखत तसलीम किया।

लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर (734 2/7/90) मोहर

(नोट) वसीयत नामा हज़ा (3) एक फ़र्द पर मुशतमल है।

अलबद ढांगू मौसी मज़कूर

तस्दीक

नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश ना है।

नकल कुनिंदा हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर शामल 734 2/7/90

Registered at No. 132 in Book 3

Volume No. 94 on page/pages 61 to 62

on [illegible] 1990

Sub Registrar [illegible]

Distt. [illegible] (H.P.)

2/3/90